तापमान

अधिकतम 35 .05 डिग्री
न्यूनतम 20 .06 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 31 अगस्त, 2025

10 रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के प्रधान बने राजीव मल्होत्रा

10 साइबर ठगी के मामले में तीन बदमाश किए काबू

खबर संक्षेप

18.60 ग्राम हेरोइन समेत युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। जिले की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने बूड़िया चौक जगाधरी के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18.60 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी जगाधरी के खेड़ा बाजार निवासी मोहित भोला से पकड़ी गई हेरोइन की कीमत बाजार में करीब 54 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नशा तस्करी के आरोप में युवक गिरफ्तार

अंबाला। थाना बराड़ा में दर्ज नशा तस्करी के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी वसीम को भी गिरफ्तार किया है। मामले में पहले गिरफ्तार आरोपी मुस्तकीम का 1 दिन का रिमांड लिया गया था। रिमांड के दौरान आरोपी ने बताया कि आरोपी वसीम भी नशा तस्करी के इस मामले में संलिप्त है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेलवे ब्रिज के पास दिबश देकर आरोपी युवक मुस्तकीम को काबू किया था। तलाशी लेने पर उससे 8 ग्राम 30 मिलिग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना बराड़ा में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी मांगा राम को गिरफ्तार किया है। मामले में संलिप्त एक आरोपी को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईए-2 के निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि पीड़ति महिला ने 5 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह परिवार के साथ कुरूक्षेत्र में बेटी का पेपर दिलवाने गई थी। घर वापिस आने पर उसका घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। किसी आरोपी ने उसके घर से एसी, एलईडी, इनवर्टर व सोना चांदी के जेवरात चोरी कर लिए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

करनाल में राज्य स्तरीय मेले में बोले केंद्रीय आवासन मंत्री मनोहर लाल

कौशल से बनें नौकरी देने वाले, न कि सिर्फ पाने वाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- मेले में दो हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने का लक्ष्य रखा

डॉ. मंगलसेन सभागार में 75वां राज्य स्तरीय रोजगार मेला भव्य रूप से आयोजित हुआ। केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा यदि स्किल पर ध्यान देंगे तो वे न केवल नौकरी पाने वाले बल्कि नौकरी देने वाले भी बनेंगे।

यही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है। मेले में लगभग 50 कंपनियां पहुंचीं और 2 हजार युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया। दोपहर तक 4 हजार से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। केंद्रीय मंत्री ने आठ युवाओं को प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं को विदेशों में भी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। अब तक 200 युवाओं को इजरायल भेजा जा चुका है और एक हजार की नई मांग आई है। करनाल विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि बिना पर्ची और बिना खर्ची युवाओं को रोजगार मिलना आज बड़ी उपलब्धि है। देश भगत यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने बताया कि यह हरियाणा का पहला राज्य स्तरीय रोजगार मेला है, जबकि पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में पहले ही 74 मेले हो चुके हैं।

करनाल। राज्य स्तरीय रोजगार मेले के दौरान उपस्थित केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

नजरिया बदलें युवा

इस अवसर पर समाजसेवी राजविंद्र बोपाराय ने युवाओं को विनम्रता अपनाने और नजरिया बदलने की सलाह दी तथा बाबा बंदा बहादुर लौहगढ़ ट्रस्ट के लिए 5 लाख रुपये का चैक भेंट किया। मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन ने युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में मेहनत और निष्ठा से आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि यह मेला हजारों परिवारों के लिए खुशियाँ लाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, असंध विधायक योगेन्द्र राणा, नीलोखेड़ी विधायक भगवानदास कबीरपंथी, पूर्व सांसद संजय भाटिया, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, उपायुक्त उत्तम सिंह, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया, एसडीएम अनुभव मेहता सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जम्मू रेल खंड की 51 ट्रेनों का संचालन हुआ बाधित

- पहाड़ी क्षेत्र में तेज बरसात के कारण आई परेशानी
- 300 से ज्यादा यात्रियों को रेलवे की ओर से किया गया रिफंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जम्मू रेल खंड के बाधित होने पर रेलवे की ओर से अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर 300 से अधिक यात्रियों को लगभग अढाई लाख रुपए का रिफंड किया गया है। यात्रियों की सहायता करने के लिए वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों को भी हिदायत दी गई हैं।

जम्मू जाने वाली ट्रेनों का संचालन पूर्ण तौर पर बंद रखा गया। इस कारण शनिवार को भी 51 ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। इनमें 47 ट्रेनें रद्द तो 4 को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर आरक्षण केंद्र पर जम्मू और कटरा की टिकट बुक करवाने वाले यात्रियों की संख्या नाममात्र रह गई है। इनमें सिर्फ सैन्य कर्मी ही टिकट बुक करवा रहे हैं। जोकि सितंबर माह के पहले और दूसरे सप्ताह की है। अंबाला डिविजन के सीनियर डीसीएम नवीन कुमार झा ने बताया कि जम्मू रेल खंड अभी बाधित हैं। 47 ट्रेनों को पूर्ण तौर पर रद्द रखा गया है।

दो को अंबाला सहित अमृतसर में रद्द किया गया। दो ट्रेनों को इन्हीं दो रेलवे स्टेशनों से संचालित किया गया है। बाढ और अधिक बारिश से पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण यह बाधा आई है।

उन्होंने बताया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा और पूर्व की तरह ही सभी ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

ये ट्रेनें हुई कैंसिल

ट्रेन नंबर 12425, 14661, 14803, 12413, 12355, 19223, 03309, 19027, 13151, 11077, 12331, 74909, 74907, 22401, 22431, 22439, 26405, 22477, 22461, 12588, 11078, 74906, 74910, 22478, 26406, 12920, 12472, 22440, 14610, 14504, 12446,16032, 22462, 12473, 14691 को पूर्ण तौर पर रद्द किया गया है। जबकि ट्रेन 12237 को अंबाला कैंट स्टेशन पर और 18309 अमृतसर स्टेशन पर रद्द किया गया। जबकि ट्रेन नंबर 12238 बेगमपुरा का संचालन अंबाला और 14609, 12445, 20433, 19803, अंबाला छावनी से और 18102 जम्मूतवी- टाटा नगर का संचालन अमृतसर से किया गया।

दो गोशालाओं को मंत्री विज ने बांटे 24 लाख रुपये के चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- दस साल में सरकार ने गोशालाओं को अनुदान में दिए 413 करोड़ रुपये

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं में रखे जाने वाले बेसहारा गोवंश के लिए वर्ष 2014 से लेकर अभी तक प्रदेश में 413 करोड़ की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की गई है। इसी कड़ी में गौशाला एवं गौसदन विकास परियोजना के तहत आज रामबाग गउशाला समिति अंबाला छावनी को 20 लाख 77 हजार रुपये व भगवान श्री परशुराम गौशाला खतौली को 3 लाख 11 हजार रूपए की राशि प्रदान की जा रही है। मंत्री विज ने गउशालाओं के प्रतिनिधियों को आज इन राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। लोगों का गउ माता के प्रति जो मन में सम्मान है उसी सम्मान के तहत लोग अपनी स्वेच्छा से आगे आकर गउशालाओं की सहायता करें ताकि सड़क पर कोई भी आवारा पशु /गौवंश न हो। सरकार द्वारा समय-समय पर गउशालाओं के संचालन के लिए सहयोग देने का काम किया जाता है।

पार्क में घूमने गई तीन सहेलियों के साथ युवक ने की छेड़छाड़

यमुनानगर। शहर के अटल पार्क में घूमने के लिए गई तीन सहेलियों के साथ एक युवक ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर जगाधरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की शहर के एक कॉलेज में पढ़ती है। शुक्रवार को उसकी लड़की अपनी दो सहेलियों के साथ शहर के अटल पार्क में घूमने के लिए गई थी। जहां पर राघव नाम के युवक ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उन्हें रास्ते में रोक कर उनके साथ छेड़छाड़ की। लड़कियों के विरोध करने पर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया। उसकी लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना महिला पुलिस थाने में दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी राघव के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चीन में हुई गाला चैंपियनशिप में छात्रा हरनूर ने जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- इंटरनेशनल मेडल जीतने पर प्रिंसिपल ने छात्रा को दी बधाई

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा हरनूर कौर ने चीन में आयोजित बेल्ट एंड रोड यूथ बॉक्सिंग गाला चैंपियनशिप में कमाल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 29 अगस्त तक प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता के रूप में आयोजित की गई थी। विद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. विकस कोहली ने इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर हरनूर कौर को हार्दिक बधाई दी और उनके कोच श्री संजय कुमार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हरनूर के माता-पिता को भी इस सफलता पर शुभकामनाएं दीं। डॉ. कोहली ने कहा हरनूर की यह जीत इस बात का प्रमाण है कि समर्पण और कठिन परिश्रम से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। यह उपलब्धि पूरे विद्यालय और अंबाला के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हरनूर की तरह निरंतर प्रयास कर अपने सपनों को साकार करें। स्कूल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

अंबाला। प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल के साथ हरनूर।

बैंक ऑफ बड़ोदा के बाहर घटना

बैंक के बाहर से दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक के 1.90 लाख रुपये चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के शहीद भगत सिंह चौक के समीप स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर से दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक के 1.90 लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई। जब सेवानिवृत्त शिक्षक बैंक से नकदी निकलवा कर बाहर रेहड़ी पर फल खरीदने लगा तो दो महिलाओं ने बैग काट कर नकदी चुरा ली।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार जगाधरी वर्कशॉप के गुरु तेग बहादुर नगर निवासी रामप्यारे पांडे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं। शुक्रवार को वह अपने दोस्त रामबचन के साथ शहीद भगत सिंह चौंक के समीप स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा पर नकदी निकलवाने आए थे।

दो महिलाओं ने बैग काटकर चुराई नकदी

पीड़ित ने बैंक से निकलवाए 2.40 लाख रुपये एक पॉलीथिन बैग में डाले थे। इसके बाद वह बैंक के ही बाहर लगी रेहड़ी पर मौसमी खरीदने लगे। तभी वहां दो महिलाएं फल खरीदने के बहाने आईं और फल विक्रेता से मोल-भाव करने लगीं। आरोप है कि दोनों महिलाओं ने रामप्यारे पांडे के हाथ में पकड़े पॉलीथिन बैग में कट मार दिया और उसमें से 1.90 लाख रुपये साफ कर दिए। इसका रामप्यारे पांडे को कुछ देर बाद पता चला, जब उन्होंने घर के लिए जाते समय बैग में नकदी जांची। इसमें 1.90 लाख नकदी कम मिली। तब इसकी शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उधर जांच अधिकारी किरणचंद का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांची जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वृद्धा की आंखों में स्प्रे डालकर बालियां छीनी

यमुनानगर। गांव परवालो में दो नकाबपोश युवकों ने देर शाम बुजुर्ग महिला की आंखों में स्प्रे डाल कर उसके कानों से दो सोने की बालियां झपट ली। गए। 60 वर्षीय कुंता देवी ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार को वह खेत में चारा लेने गई थी। इसी दौरान जब चारा काट रही थी, तब पीछे से नकाबपोश दो युवक आए। उन्होंने आंखों पर स्प्रे डाला और पकड़कर नीचे गिरा दिया। इसके बाद दोनों युवक उसके कानों से सोने की बालियां झपट कर भाग गए। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए।

अस्पताल संचालकों व परिषद अधिकारियों में तीखी नोक-झोंक

- हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर के मौखिक आश्वासन पर नपा अधिकारी बैरंग लौटे

पानीपत। एसडीएम कोर्ट से केस जीतने के बाद पुलिस फोर्स व ड्यूटी मेजिस्ट्रेट सहित सुपर स्पेशलिटी हस्पताल के फ्रंट में मौके पर अपनी भूमि पर कब्जा लेने पहुंचे नगर परिषद सचिव मनीश शर्मा की अगुवाई में पहुंची टीम बैरंग वापिस लौट गई। करीब दो घंटे तक नगर परिषद अधिकारियों व हस्पताल संचालकों के बीच तीखी नोक झोंक व बहस चली। इस मौका पर डीसी द्वारा नियुक्त ड्यूटी मेजिस्ट्रेट एवं बिजली बोर्ड एसडीओ शिव कुमार व पुलिस फोर्स भी मौजूद थी। हस्पताल संचालकों ने नगर परिषद अधिकारियों की टीम को बताया कि उन्होंने हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर प्राप्त कर लिए हैं। हालांकि जब अधिकारियों ने स्टे ऑर्डर की प्रति मांगी तो वे मौका पर इसे दिखा नहीं पाए। बता दें कि यह कार्रवाही आरटीआई कार्यकर्ता पीपी कपूर की शिकायत के बाद शुरू हुई है।

पानीपत। अस्पताल संचालकों व परिषद अधिकारियों के बीच नोक झोंक का दृश्य।

बेलर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक में गरजे संचालक, दी चेतावनी

मांगें नहीं मानी तो पराली प्रबंधन कार्य का करेंगे बहिष्कार

- काम बंद हुआ तो पराली में लगने वाली आग की जिम्मेदार होगी सरकार, भाकियू ने दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पराली प्रबंधन का कार्य करने वाली बेलर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बेलर एसोसिएशन के सदस्य एवं पदाधिकारी अपनी समस्याओं पर विचार विमर्श करने के लिए पहुंचे।

उनके साथ भाकियू प्रिंस वडैच ग्रुप के प्रधान सुखविंद्र मुकीमपुरा भी समर्थन करने के लिए पहुंचे। बैठक के बाद एसोसिएशन की ओर से महासचिव जय नारायण और सचिव सतीश राणा ने बताया कि लंबे समय से इस काम में जुड़े लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिन्हें लेकर सरकार से मांग भी की गई है। उन्होंने बताया कि बेलर मशीन पर दी जाने वाली अनुदान राशि समय पर नहीं मिलती। मशीन विक्रेता कंपनी पूरे पैसे एडवांस ले लेती है और सरकार से सब्सिडी का पैसा पाने के लिए बेलर संचालक को चक्कर काटने पड़ते हैं। इसके बाद छोटी-छोटी किस्तों में पैसा मिलता है। इनकी मांग है कि आसान शर्तों में एक बार में ही अनुदान राशि जारी की जाए। इसके अलावा पिछले पांच साल में पराली की बेल के रेट ज्यादा थे। जबकि डीजल, धागा, लेबर के दाम बहुत कम थे। आज पराली की बेल गांठ के रेट कम कर दिए गए हैं। जबकि डीजल, धागा, लेबर, ट्रांसपोर्ट व अन्य खर्चों के रेट ज्यादा हो गए हैं। जिस वजह से बेलर संचालक बेलर चलाने में असमर्थ हैं। बेलर व रैक बनाने वाली सभी कंपनियों के प्रोडक्ट की बाजार में कीमत लगभग साढ़े 18 लाख रुपए है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इनके रेट में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

सरकारी आंकड़ों में अनुदान राशि कीमत 15 लाख मानकर 50 प्रतिशत ही चल रही है। जो बहुत कम है। अनुदान राशि साढ़े 18 लाख रुपए के हिसाब से होनी चाहिए। जो नए रेट के अनुसार लगभग 9 लाख 25 हजार बनती है।उनकी मांग है कि जिस तरह सरकार पराली में आग ना लगाने वाले किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देती है। उसी प्रकार बेलर संचालक को भी 500 रुपए प्रति एकड़ दिया जाए। क्योंकि पराली का निपटान बेलर संचालक ही करते हैं। यूनियन सदस्यों ने कहा कि पराली की गांठ या बेल का रेट बहुत ही कम मिल रहा है। उद्योग व पावरप्लांटों में पराली की बेल का रेट 160 से लेकर 170 रुपए तक रहता है। जिसमें लागत मूल्य भी मुश्किल से पूरा हो पाता है। पराली की बेल का रेट 190 रुपए प्रति क्विंटल होना जरूरी है। यूनियन पदाधिकारी ने बताया की समस्याओं को लेकर उनकी तरफ से उपायुक्त कुरुक्षेत्र, निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पंचकूला सभी को ज्ञापन दिया जा चुका है। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब सीजन में 15 दिन शेष हैं यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो बेलर संचालक काम नहीं कर पाएंगे। जिसके चलते किसानों को मजबूरन पराली में आग लगानी पड़ेगी।

पिहोवा। बैठक में मौजूद बेलर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधान जसवंत सिंह, प्रीत पाल शर्मा, भाकियू प्रधान सुखविंद्र मुकीमपुरा, जय नारायण जनरल सेक्रेटरी, सचिव सतीश राणा ,राजकुमार, शीशपाल, गुरनाम, सतपाल मास्टर, सुखदीप सिंह, अमनदीप विर्क जुंडला, रवि, राम तिलक, दलवीर, हरि सिंह पूर्व सरपंच भेरियां, हरपाल सिंह चीमा, सरदार बक्शी सिंह, अमित सैनी, निर्मल सैनी, गोपाल, रेशम ,जसपाल धीमान, विजय, कर्मबीर अंबाला, कुलदीप सारसा, अमित ढांडा, बलराज मलिक, ईश्वर कश्यप, बलराज सारसा, बृजमोहन सैनी, रमन मक्कड़ अजरावर, संदीप सैनी सरपंच सूरजगढ़ आदि बेलर संचालक मौजूद रहे

लिव इन में रह रही महिला ने दो बेटियों को घर से निकाला

- दुकानदार और समाजसेवी बच्चियों को रोते देखकर पुलिस थाने में लेकर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

सिटी थाना क्षेत्र के सुभाष बाजार स्थित रोशन महल में लिविंग में रह रही महिला ने अपनी दो बच्चियों से बुरी तरह मारपीट कर घर से निकाल दिया। वहीं बच्चियों को रात के समय बाजार में रोता देख पड़ोसी, समाजसेवियों ने बच्चियों को लेकर सिटी थाने में पहुंचे। वहीं मामले में पुलिस ने सिविल अस्पताल से बच्चियों का इलाज करवाया।

दुकानदार अमन उप्पल ने बताया कि रोशन महल में हमारी दुकान के साथ मकान में एक महिला जोगिंद्र नामक लडक़े के साथ किराए पर रहती है। महिला की शादी हरि सिंह चौक के युवक के साथ हुई थी। जिसे छोडक़र महिला यहां सौदापुर के लडक़े के साथ लिव इन में रह रही थी। महिला ने अपने लडक़े को पति के पास छोड़ा हुआ है जबकि दो बच्चियों को अपने साथ रोशन महल में ही रखा हुआ था।

बेटियों से मारपीट भी की

दुकानदारों का कहना है कि महिला समुदाय विशेष से है, जबकि लडक़ा कुम्हार जाति से है। महिला बच्चियों से लोगों के घरों में बर्तन साफ करने का काम करवाती थी और आए दिन बच्चियों के साथ बुरी तरह मारपीट करती थी। वीरवार रात को महिला ने लडक़े के साथ मिलकर दोनों बच्चियों से बुरी तरह मारपीट करने के बाद घर से निकाल दिया।

वहीं रात को पड़ोसी ने बच्चियों को देखा और पूछताछ की। जिस पर बच्चियों ने अपनी सारी सच्चाई पड़ोसी व्यक्ति को बताई। दुकानदार बच्चियों को लेकर सिटी थाने पहुंचे। उसके बाद थाना प्रभारी ने कार्रवाई करते हुए बच्चियों को अपने संरक्षण में लिया।

खबर संक्षेप

यमुनानगर। ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर पोस्ट मेकिंग में भाग लेते हुए बच्चे।

दूसरों को नौकरी प्रदान करने वाले बनें विद्यार्थी

रादौर। ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी रादौर में विश्व एंटरप्रेन्योरशिप सप्ताह के अंतर्गत चल रहे दिन दिवसीय कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। इस अवसर पर जीआरआईएमटी मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने मुख्यातिथि के रुप में लिया। मुख्यातिथि एवं जीआरआईएमटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने विद्यार्थियों को इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप भविष्य के नेतृत्व का निर्माण विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को रोलैक्स, लैम्बोर्गिनी, टाटा कंपनी, परमाणु ऊर्जा तथा फार्मेसी में स्वर्ण नैनोकणों के उदाहरणों के माध्यम से नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि नौकरी प्रदान करने वाला बनने का संदेश दिया।

यमुनानगर के जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेते हुए स्टाफ सदस्य।

गणपति की कृपा से होती है वैभव की प्राप्तिःशास्त्री

रादौर। जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय के एमडी मुकेश शास्त्री ने गणपति की मूर्ति के समक्ष पूजा अर्चना कर प्रार्थना सभा का शुभारंभ किया।

विद्यालय के एमडी मुकेश शास्त्री ने बताया कि आज देश भर में गणपति उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गणेश की मूर्तियों को स्थापित कर सुबह शाम पूजा और भजन कीर्तन कर भक्ति भाव में डूबे हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में तो यह त्यौहार और भी जोरो शोरो से मनाया जाता है। लेकिन अब उत्तर भारत भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने बताया कि गणपति भगवान हर वर्ष इस दौरान दस दिन के लिए आते हैं और अपना आशीर्वाद सभी भक्तों को देते हैं।

डॉ. रामेन्द्र सिंह को दी भावभीनी विदाई

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में सुमंगल कामना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों सहित विद्या भारती उत्तर क्षेत्र, हिन्दू शिक्षा समिति के पदाधिकारियों सहित नगर के अनेक स्कूलों के प्रधानाचार्य एवं सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंचासीन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर, संस्थान के अखिल भारतीय प्रभारी डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री प्रयोग करने के निर्देश दिए

एक करोड़ के विकास कार्यों का विधायक ने किया शिलान्यास

गांव तेजली में करीब 49.98 लाख की लागत से सड़क का निर्माण होगा

- 40.42 लाख की लागत से गांव दड़वा में शमशानघाट और रास्ते के निर्माण कार्य किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शहर में एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने मौके पर अधिकारियों को विकास कार्यों में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री प्रयोग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विकास कार्यों को निर्धारित की गई समय सीमा के अंतर्गत करने के निर्देश दिए। मौके पर नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी भी मौजूद रही।

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि शहर में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इसी क्रम में उन्होंने शहर के वार्ड नंबर 11 में एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया है। जिसमें करीब 40.42 लाख की लागत से गांव दड़वा में श्मशानघाट व रास्ते के निर्माण कार्य किया जाएगा।

वहीं, गांव तेजली में लगभग 49.98 लाख की लागत से शिव मंदिर से गोल्ड फिटनेस जिम व मोहन लाल के घर से कंधेला के घर तक सड़क के निर्माण कार्य किया जाएगा। इसी तरह वार्ड नंबर नौ में कालिंदी कालोनी में सरकारी प्राथमिक विद्यालय से नीलम शर्मा के घर तक गली बनाने व पाइप डालने का कार्य किया जाएगा।

यमुनानगर। यमुनानगर में एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छता अभियान में सहयोग करें

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यमुनानगर शहर का विकास ही हमारा सबसे बड़ा संकल्प है। हर वार्ड की हर कॉलोनी व मोहल्ले के विकास को लेकर वह पार्षदों व अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। हर वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के साथ अन्य सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। शहरवासी भी इस अभियान में अपना सहयोग करें। विधायक घनश्याम दास ने कहा कि वह हरियाणा सरकार के माध्यम से अपने यमुनानगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से लगातार विकास कार्य करवा रहे हैं। इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार को जाता है।

समाधान का आश्वासन

संबंधित पार्षदों व निगम अधिकारियों को विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और नियमानुसार विकास कार्य कराने के निर्देश दिए। मौके पर मेयर ने क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर पवन बिट्टू आदि मौजूद रहे।

कक्षा प्रबंधन में एआई टूल्स के महत्व की जानकारी दी

यमुनानगर के जेएमआईटी कॉलेज में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ करते अतिथि।

- जेएमआईटी एवं जेएमआईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में सातवें प्राचार्या व प्राध्यापक सम्मेलन का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

जेएमआईटी एवं जेएमआईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में सातवें प्राचार्या व प्राध्यापक सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता जेएमआईइटीआई संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने की। मौके पर डॉ. प्रदीप मित्तल समेत अन्य वक्ताओं के भाग लिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समर्पण और सहयोग का महत्वपूर्ण प्लेटफार्म हैं। जिससे हम एक बेहतर और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं। वहीं, डॉ. संजीव गर्ग ने बताया कि यह सम्मेलन उद्देश्यपूर्ण अधिगम प्रेरणा और गहरी व्यस्तता को जागृत करता है। उन्होंने सम्मेलन में भाग ले रहे प्राध्यापकों व प्राचार्यों को वेलनेस जीवनशैली को बेहतर बनाने, नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, समय पर पर्याप्त नींद और योग व्यायाम के योग आदि करने के लिए प्रेरित किया। वक्ता प्रियंका शर्मा ने कक्षा प्रबंधन में एआई टूल्स के महत्व के बारे बताया। वहीं, डॉ.प्रदीप मित्तल ने साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल दुनिया में नैतिक व्यवहार की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. जया मल्होत्रा ने कहानी सुनाने की शिक्षण पद्धति का महत्व समझाया। प्राची सेठ ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की बात करते हुए उपग्रह और रिमोट सेंसिंग तकनीकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुकंद शिक्षण संस्थान के महासचिव डॉ. रमेश कुमार व शशि बाठला आदि ने भी अपने विचार रखे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं का किया मार्ग दर्शन

मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार प्रक्ट किया

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू करके नायब सरकार ने किया महिला वर्ग का सम्मानः कंवरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू करके महिला वर्ग का सम्मान किया है। उन्होंने उक्त शब्द शनिवार को पार्टी के जिला कार्यालय यमुना कमल में कार्यकर्ताओं का मार्ग दर्शन करते हुए कहे। मौके पर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा व जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग ने मुख्य रुप से भाग लिया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लाडो लक्ष्मी योजना शुरू करके महिलाओं को 2100 रुपये प्रति माह देकर उनका सम्मान किया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रक्ट किया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 25 सितंबर से दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ करने का ऐलान किया है। विधानसभा सत्र के तुरंत बाद कैबिनेट बैठक में महिलाओं के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए नई योजना को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य की डबल-इंजन सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के हित में लगातार कल्याणकारी पहल आगे बढ़ा रही हैं। मौके पर सिटी विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि हरियाणा राज्य मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा लागू की जा रही बहुत सी योजनाओं व नीतियों को अन्य प्रदेश भी अपने अपने राज्य में लागू कर रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

यमुनानगर। पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं की बैठक में मंचासीन पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

यमुनानगर है एक धार्मिक नगरी

गणपति विसर्जन से पहले पश्चिमी यमुना पर बनाए जाएं पक्के घाट

उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र मित्तल ने कहा कि गणपति विसर्जन के अवसर पर यमुनानगर के नजदीक स्थित पश्चिमी यमुना में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और गणपति बप्पा की मूर्तियों का विसर्जन करती है। वहीं, हिंदुओं के अन्य त्योहारो जैसे छठ पूजा, बैसाखी, कार्तिक पर्व, दीपावली व होली पर्व समेत अन्य त्योहारो पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पश्चिमी यमुना पर बने घाटों पर पहुंचते हैं।

उन्होंने बात नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी को पश्चिमी यमुनान के किनारे पक्के घाट बनाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए कही। मौके पर मंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। मंडल के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र मित्तल ने कहा कि उद्योग व्यापार मंडल लोगों की आस्था को देखते हुए पिछले कई वर्षों से पश्चिमी यमुना के किनारों पर पक्के घाट बनाए जाने की मांग करता आ रहा है। मगर अभी तक पश्चिमी यमुना पर पक्के घाट नहीं बनाए गए हैं।

महेन्द्र मित्तल ने कहा की यमुनानगर एक धार्मिक व औद्योगिक नगरी है। यहां के नागरिक बहुत धार्मिक प्रवृति के सात्विक हैं। हर धार्मिक कार्य में यहां के लोग बढ़ चढ़कर अपना सहयोग देते हैं।

यमुना पर घाट बनाए जाने को लेकर मेयर सुमन बहमनी को ज्ञापन सौंपते हुए उद्योग व्यापार मंडल के सदस्य।

अभिभावकों (पेरेंटस) सेमिनार का आयोजन

बच्चों का सर्वांगिण विकास अध्यापकों व अभिभावकों के सहयोग से संभव

- सेमिनार का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक आरएस पुंडीर, प्रधानाचार्या मनीषा गौतम, डॉ. आरना सिंह व सुधीर कालरा ने दीप प्रज्जवलित कर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के दिल्ली मार्ग स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा छठी, सातवीं व आठवीं के अभिभावकों (पेरेंटस) सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रुप में सीबीएसई नई दिल्ली से डॉ. विनीता सरीन व ऑक्सफोर्ड शैक्षिक रिसोर्स पर्सन यशी मिश्रा ने भाग लिया।

सेमिनार का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक आरएस पुंडीर, प्रधानाचार्या मनीषा गौतम, डॉ. आरना सिंह व सुधीर कालरा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य वक्ता डॉ. विनीता सरीन ने बताया कि बच्चों का सर्वांगीण विकास माता पिता और स्कूल के शिक्षकों के आपसी सहयोग से ही संभव हो सकता है। स्कूल द्वारा आयोजित च'ड में सभी माता पिता को समय निकाल कर। बच्चों को शिक्षक से रचनात्मक बात करनी चाहिए। बच्चे को हमेशा सहयोग करें तुलना न करें। सभी माता पिता एवं शिक्षकों को चाहिए कि बच्चे को शिक्षा के साथ साथ अनुशासन एवं संस्कार का भी आचरण सिखाया जाए। बच्चे को हमेशा सेल्फ स्टडी पर आधारित रखें टयूशन पर निर्भर ना रखें। डॉ. सरीन ने बताया कि एनपीई और एनइपी का लक्ष्य रहने की बजाय विद्यार्थियों की सोच, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक और संज्ञात्मक क्षमताओं को विकसित करना है। उन्होंने लचीले बहुविषपक पाठ्यक्रम और होलिस्टिक प्रागेस कार्ड जैसे नए मूल्यांकन तरीकों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ये बदलाव शिक्षा को अधिक व्यावहारिक एवं सार्थक बनाएंगे।

यमुनानगर। अभिभावक सेमिनार में अपने विचार रखते मुख्य रिसोर्स पर्सन। फोटो :हरिभूमि

नशे जैसी बुराइयों से युवाओं को बचाने के लिए उनका ध्यान खेलों की ओर लगाना जरूरी :अरोड़ा

- यदि हम किसी कार्य को मन लगाकर एकाग्रता के साथ करें तो हमें सफलता अवश्य मिलती है: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला प्रशासन व खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खेल युक्त,नशा मुक्त हरियाणा के तहत शहर के तेजली खेल परिसर में खेल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। मौके पर उन्होंने फुटबॉल खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि आज हमारा अधिकांश युवा वर्ग नशे की ओर अग्रसर है। यदि हमें अपनी युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराई से बचाना है तो युवाओं का ध्यान खेलों की ओर लगाना होगा। उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल हमारा शरीर तंदुरुस्त बनता है। बल्कि हम कई प्रकार की बीमारियों से भी बच सकते हैं। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यदि हम अपने मन में यह ठान लें की हम जीत हासिल करेंगे तो हमें जीत अवश्य मिलती है । उन्होंने युवाओं को आहवान किया कि अभ्यास के द्वारा यदि हम अपने अंदर खेलों के गुण विकसित कर लें तो निश्चित रूप से खेलों में आगे बढ़ सकते हैं। यदि हम किसी कार्य को मन लगाकर एकाग्रता के साथ करें तो हमें सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने इस मौके पर सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई कि वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से कार्य करेंगे। हम सभी अपने परिवार और अपने दोस्तों को हर दिन खेल और फिटनेस की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। विधायक ने कहा कि हमें खेलों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। मौके पर हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष भारत भूषण जुयाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से नगराधीश पीयूष गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

यमुनानगर। तेजली खेल परिसर में आयोजित खेल समारोह में फुटबाल मैच के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते हुए सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी शिल्पा गुप्ता,नरेन्द्र चुग,सुमित पासी, मनप्रीत कौर, नरेश कुमार व फुटबाल कोच सुशील कुमार व हॉकी कोच हरजीत कौर आदि मौजूद रहे।

जिले भर में दर्जनों स्थानों के अलावा घरों में मनाया जा रहा है गणपति उत्सव

गणेश उत्सवों में चौथे दिन भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

गणपति उत्सव के चौथे दिन गणपति भगवान के दरबारों में भजन कीर्तनों में निकाली आकर्षक झांकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

श्री फ्रेंडस न्यूपार्क क्लब समेत विभिन्न संस्थाओं द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर गणेश उत्सव के दौरान आकर्षक रुप से दरबार सजाकर पूजा अर्चना और भजन कीर्तनों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को चौथे दिन गणेश उत्सवों में जहां भजन कीर्तन किए गए, वहीं, श्रद्धालुओं ने गणपति वंदना के साथ-साथ राधाकृष्ण के भजनों पर झूम कर भक्तिभाव दर्शाया। कई स्थानों पर चल रहे उत्सवों में भजन गायकों द्वारा भजनों से वातावरण गणेशमय बना दिया वहीं, आकर्षक झांकियां निकाली गई, जिन्होंने श्रद्धालुओं को भक्तिविभोर कर दिया। न्यू पार्क में चल रहे गणेश उत्सव के दौरान भजन गायकों द्वारा गणपति जी के साथ-साथ भोलेनाथ, कृष्ण जी, सांई बाबा जी के भजनों को प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

यमुनानगर। मॉडल टाउन में चल रहे गणपति उत्सव के दौरान शनिवार को भजन कीर्तन के दौरान अपनी कला को प्रदर्शित करते कलाकार व एक अन्य स्थान पर गणेश दरबार में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु। फोटो : हरभूमि

दर्शकों का मन मोह लिया

इस दौरान भक्तों ने राधा-कृष्ण जी के भजनों पर झूम-झूम कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। खास बात यह रही कि उत्सव के दौरान गणेश भगवान, भगवान कृष्ण, राम सीता व भोले नाथ समेत शिव परिवार की आकर्षक झांकियां निकाली गई। जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। मौके पर फ्रेंडस क्लब की वरिष्ठ सदस्य एवं श्रद्धालु लवली मलिक ने बताया कि न्यू पार्क में हर वर्ष गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार आधा दर्जन भजन मंडलियों को गणपति वंदना के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि सुबह व शाम को गणपति जी का पूजन व आरती की जाती है और रात्रि को गणपति जी की चौकी सजाई जाती है। मौके पर रात्रि के समय भजन संध्या आयोजित की जाती है। उन्होंने बताया कि विसर्जन के मौके पर गणपति पूजन और इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

झांकियां निकाली

ट्विन सिटी में दर्जन भर स्थानों विश्वकर्मा मोहल्ला, न्यू मार्कीट, रामपुरा कालोनी, फरकपुर, जगाधरी वर्कशॉप, विष्णु नगर, पुराना हमीदा व जगाधरी समेत कस्बों व ग्रामीण इलाकों में चल रहे गणपति उत्सव में भी भजन संध्या में जमकर श्रद्धालु झूमे और आकर्षक झांकियां निकालकर दर्शकों का मन मोह लिया।

अलग-अलग स्थानों पर किशोरियों के साथ रेप करने का प्रयास

पुलिस ने मामला दर्ज किया

यमुनानगर। शहर में अलग-अलग स्थानों पर दो किशोरियों के साथ रेप का प्रयास करने के मामले सामने आए है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद एक आरोपी को नामजद करते हुए एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर के कंसापुर क्षेत्र निवासी महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 16 वर्षीय लड़की को सोनी नाम का युवक काफी दिन से परेशान कर रहा था। आरोपी उसकी लड़की का पीछा कर उसे पर गलत कमेंट करता था। कई बार उसकी लड़की ने आरोपी की हरकतों को नजर अंदाज किया मगर आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। महिला ने बताया कि शुक्रवार को शाम साढ़े सात बजे उसकी लड़की किसी काम से जा रही थी। इस दौरान आरोपी ने उसकी लड़की का पीछा करना शुरू कर दिया। सुनसान स्थान पर आरोपी ने उसकी लड़की को पकड़ लिया और उसके साथ रेप करने का प्रयास किया।

उसकी लड़की के शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपी इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। उसकी लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया।

खबर संक्षेप

योग और अध्यात्म पर विचार किए सांझा

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में धर्मगुरु गुरु पशुपति जी ने योग और अध्यात्म पर अपने विचार साझा किए। वे त्रिलोक अखाड़ा के परंपरा अधिकारी तथा अमर योगी महावतार बाबाजी के शिष्य हैं। साथ ही, वे चामुंडी राजगुरुकुलम् के सह-संस्थापक भी हैं, जो भारतीय ज्ञान और जीवन मूल्यों के प्रसार हेतु कार्यरत है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई।

139 लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दी गई

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट ने आज हल्का थानेसर की सरस्वती कालोनी और जिन्दल हाउस में 139 लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया। उपरोक्त जानकारी देते हुए सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर चलाई जा रही मोबाइल मेडिकल युनिट में, एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई, साथ ही रक्त और युरिन के टेस्ट भी किए।

सीबीआई इंस्पेक्टर पहुंचे डीएवी स्कूल पिहोवा

पिहोवा। सीबीआई इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार आज डीएवी स्कूल पिहोवा पहुंचे। जहां उन्होंने छात्रों को भविष्य निर्माण और करियर के महत्व पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर देवेंद्र ने कहा कि सही दिशा में मेहनत और अनुशासन से ही अच्छे भविष्य की नींव रखी जा नशे सकती है। उन्होंने छात्रों को शिक्षादान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अपनाने के लिए प्रेरित किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि वर्तमान दौर में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण भी सफलता की कुंजी हैं।

अदिति ने ने एथलीट में प्रथम स्थान किया प्राप्त

कुरुक्षेत्र। द्रोणाचार्य स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय एथलीट प्रतियोगिता में एस डी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा अदिति शर्मा ने भाग लिया। अदिति शर्मा ने जिला स्तरीय एथलीट प्रतियोगिता में 600 मीटर की रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अदिति शर्मा का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन का हो गया है। विद्यालय प्रबंधन विकास शर्मा, मंजू शर्मा, प्रधानाचार्य रिंपी बटला द्वारा अदिति शर्मा का उत्साहवर्धन हेतु भेट ट्रॉफी से सम्मानित किया गया तथा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करने का शुभ आशीष दिया।

आसपास के गांवों की फसलें जलमग्न

मारकंडा का जलस्तर बढ़ा तालाब में तब्दील हुई सड़कें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण शाहाबाद में मारकंडा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते एक बार फिर से बाढ़ की स्थिति बन गई है। मारकंडा नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते करीब एक दर्जन गांव के लोग दहशत में आ गए हैं। फसलें जलमग्न हो गई है, किसानों को भी भारी नुकसान हुआ है। शनिवार सुबह 10 बजे तक मारकंडा नदी में 26,234 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। दोपहर तक यह घटकर 24 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया। जलस्तर घटने से आसपास के ग्रामीणों व प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कालांअब में पानी का जलस्तर मात्र 5 हजार क्यूसिक है। इसलिए अनुमान है कि अब मारकंडा नदी का जलस्तर घटना शुरु हो जाएगा। वही सुबह जलस्तर बढ़ने से मारकंडा नदी के समीप गांव कठवा में पानी घुस गया। सड़क और खेत पानी में डूब गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया।

कुरुक्षेत्र। मारकंडा नदी में बहता जल।

खास बातें

- करीब एक दर्जन गांव के लोग दहशत में
- नदी में 26,234 क्यूसेक पानी दर्ज किया
- सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया
- बच्चों के स्कूल न जाने से शिक्षा हो रही प्रभावित

प्रशासन ने अलर्ट किया जारी

गुमटी, पट्टी जामड़ा, मुगल माजरा, मलकपुर, कलसाना और तंगौर में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। गांव मुगल माजरा के निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि वह गांव से बाहर रोजगार के लिए जाते हैं। ऐसे ही बहुत से ग्रामीण है, जो बाहर काम करने के लिए जाते हैं, ताकि परिवार का गुजारा हो सके, लेकिन जो मुख्य मार्ग है, वह नदी का रूप ले चुका है। बड़े-बड़े गड्ढे बनने से उसमें गिरने का खतरा रहता है। स्थानीय निवासी राहुल ने बताया कि हालात ये हो गए हैं, कि पिछले 2 माह से बच्चे गांव से बाहर स्कूल में ना जाकर अपने घरों में ही रह रहे हैं।

पहले भी पहुंची थी खतरे के निशान तक

पिछले सप्ताह भी मारकंडा नदी खतरे के निशान तक पहुंच गई थी, जिससे कठवा, मुगल माजरा और तंगौर के गांव में पानी घुसने से बाढ़ जैसे हालत बन गए थे। पिछले दिनों मारकंडा नदी में आए पानी के कारण जिला कुरुक्षेत्र में जलभराव से 13 हजार से ज्यादा एकड़ में खड़ी फसलें प्रभावित हुई थी। इसमें ज्यादा नुकसान शाहाबाद में हुआ है। शाहाबाद में जलभराव और मारकंडा नदी की वजह से 55 गांव में करीब 9,775 एकड़ में खड़ी धान और गन्ने की फसल खराब होने की आशंका है। यहां 25 से 50 प्रतिशत फसलें जलभराव से प्रभावित हुई है।

ठेकेदार ने केयू प्रशासन पर जानबूझ कर भुगतान में देरी करने का लगाया आरोप

- नौशाद अली ने पत्रकारों से की बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की निर्माण शाखा के एक्सईएन व एसडीओ को रिश्वत मांगने के आरोप में विजिलेंस से गिरफ्तार करवाने वाले ठेकेदार नौशाद अली ने केयूके प्रशासन पर उसकी करोड़ों रुपए की बकाया पेमेंट में देरी करने का आरोप लगाया है। रेलवे रोड स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत में नौशाद अली ने कहा कि सारा मामला पेमेंट निकलवाने से ही शुरू हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी में किए गए उसके काम का भुगतान करने की एवज में उससे रिश्वत की मांग की गई। इस पर उसने विजिलेंस को शिकायत दी, जिसके आधार पर टीम ने एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ निर्माण शाखा के एक्सईएन को गिरफ्तार किया।

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करता ठेकेदार नौशाद अली।

भ्रष्टाचार की धाराएं लगने के बाद भी बहाली पर सवाल

केयूके निर्माण शाखा के एक्सईएन की बहाली के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करने वाले बाल कृष्ण गुप्ता और कैनवाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार की गंभीर धाराएं लगने के बाद भी प्रोबेशन पीरियड में बहाली करना सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि एक्सईएन की नियुक्ति को महज 7 महीने ही हुए थे, जब उसे 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार किया था।

जल्द पेमेंट जारी करने के आदेशः कुलसचिव

नौशाद अली ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद कोर्ट से जमानत मिलने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दोबारा उक्त एक्सईएन को पद पर बहाल कर दिया। केयू कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को सभी दस्तावेजों को चैक करके जल्द से जल्द पेमेंट जारी करने के निर्देश केयू प्रशासन की ओर से दिए हुए हैं।

छात्रों ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति-कला, तर्कशक्ति तथा आत्मविश्वास को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक भव्य अन्तर्सदन तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संपन्न हुई, जिसमें विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का स्वरूप अत्यंत रोचक रहा। प्रत्येक प्रतिभागी ने पर्ची में लिखे विषय का चयन कर तत्क्षण उस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विषय-सूची में अनुशासन से सफलता, मोबाइल फोन वरदान या अभिशाप, नैतिक मूल्य महान जीवन की नींव, शिक्षा एवं खेल में संतुलन, पर्यावरण संरक्षण में छात्रों की भूमिका इत्यादि जीवनोपयोगी एवं प्रेरणादायी शीर्षक सम्मिलित थे।

ताइक्वांडो और रेसलिंग में किया शानदार प्रदर्शन

जयराम स्कूल के तीन विद्यार्थी राज्य स्तर पर चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

श्रीजयराम शिक्षण संस्थान के अंतर्गत श्रीमती केसरी देवी जयराम पब्लिक स्कूल के तीन विद्यार्थियों का ताइक्वांडो और रेसलिंग में राज्य स्तर पर चयन किया गया है। देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्री जयराम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से श्रीमती केसरी देवी लोहिया जयराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र में आयोजित जिला खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें नव्या का ताइक्वांडो, उज्जवल और वैष्णवी का रेसलिंग में राज्य स्तर पर चयन किया गया है।

कुरुक्षेत्र। मैच से पूर्व खिलाड़ी एवं शिक्षक व कोच।

स्कूल में खुशी की लहर

स्कूल खिलाड़ी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर पूरे श्री जयराम शिक्षण संस्था में खुशी की लहर दौड़ गई। संस्थान के निदेशक एसएन गुप्ता ने ने तीनों बच्चों को शुभकामनाएं दी। स्कूल प्रिंसिपल अंजू अग्रवाल ने कहा कि स्कूल में उच्च स्तर की शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की चहुंमुखी प्रतिभा को भी निखारा जाता है। परिणाम स्वरूप बच्चों ने खेलों में भी समय-समय पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस अवसर पर सिमरन, घनश्याम, निशा सहित अन्य शिक्षक गण भी मौजूद रहे।

गणेश जी की पूजा का विषय महत्व

कुरुक्षेत्र। समर्थगुरू धारा हिमाचल के जोनल कॉर्डिनेटर और श्री दुर्गा देवी मन्दिर के पीठाधीश ज्योतिष व वास्तु आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि वैदिक शास्त्रों और विद्वानों के अनुसार सनातन धर्म में भगवान श्री गणेश जी की पूजा का विषय महत्त्व है। भगवान श्री गणेश संपूर्ण पृथ्वी के संचालक है। अपनी माता पार्वती और पिता भगवान शिव की सबसे पहली पूजा भगवान श्री गणेश जी ने की। जो अपने माता पिता, आचार्य, गुरु और देवी देवताओं का आदर और सेवा करते है।

सीएम के नशे मुक्त हरियाणा के विजन को पूरा करेगी साइक्लोथॉन : महावीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अतिरिक्त उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नशा मुक्त हरियाणा के विजन को पूरा करने में साइक्लोथॉन यात्रा अपनी अहम भूमिका अदा करेगी। इस साइक्लोथॉन का आयोजन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। जिला प्रशासन ने साइक्लोथॉन कार्यक्रम की सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। साइक्लोथॉन यात्रा में स्कूली बच्चों और खिलाड़ियों के साथ मुख्यमंत्री स्वयं भी साइकिल चलाएंगी।

बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की

अतिरिक्त उपायुक्त महावीर प्रसाद ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्मसरोवर, द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम का दौरा किया। साइक्लोथॉन यात्रा पुरुषोत्तमपुरा बाग ब्रह्मसरोवर से शुरू होकर द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम पर समाप्त होगी। इस यात्रा के माध्यम से खेल युक्त नशा मुक्त हरियाणा, मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान, हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान का संदेश दिया जाएगा।

140 खिलाड़ियों ने खेलों में दिखाया दमखम

अक्षरा स्कूल के 48 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

जिला स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल पिहोवा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर शहर व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्कूल के 140 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में दमखम दिखाया, जिनमें से 48 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। यह चयन खिलाड़ियों की मेहनत, कोचों की कड़ी ट्रेनिंग और स्कूल प्रबंधन के सहयोग का परिणाम है। प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य स्टेडियम और

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में किया गया। इसमें खिलाड़ियों ने चार आयु वर्गोंझअंडर 11, अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 में भाग लिया। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, शतरंज, टग ऑफ वॉर, खो-खो, योगा, फुटबॉल, टेबल टेनिस, जूडो, बैडमिंटन और लॉन टेनिस जैसे खेल शामिल रहे। प्रिंसिपल शोबे मैथ्यू ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

राधा अष्टमी की पूर्व संध्या पर निकाली शोभायात्रा

भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

बैंड-बाजों तथा मनमोहक झांकियों के साथ राधा अष्टमी की पूर्व संध्या पर शोभा यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के अनेक संत-महंत, साधु समेत दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद संत-महंत और नगर के गणमान्य लोगों के साथ शोभायात्रा में पैदल चले। शोभा यात्रा को इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर स्वामी महेश मुनि जी, संत ज्ञानेश्वर जी,हरिनारायण गिरी जी, ब्रह्मचारी शक्ति जी , हरिओम परिवाजक जी, महंत लक्ष्मीपुरी जी उपस्थित थे।

धर्मनगरी को दुल्हन की तरह सजाया

शोभायात्रा का नगर में जगह-जगह पर सामाजिक, धार्मिक व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा पर फूल बरसाए गए तथा स्वागत द्वार बनाए गए थे। विभिन्न संस्थाओं ने श्रद्धालु के लिए जलपान व प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। धर्मनगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया था। गीता ज्ञान संस्थानम से प्रारंभ हुई यह शोभा यात्रा अर्जुन चौक, देवीलाल चौक, महाराणा प्रताप चौक, नया बाजार, सीकरी चौक, पालिका बाजार, अंबेडकर चौक और रेलवे रोड से होती हुई कोऑपरेटिव बैंक चौक पर पहुंची। यहां से शोभायात्रा वापस रेलवे रोड और सलारपुर रोड से होते हुए गीता ज्ञान संस्थानम में पहुंचीं, जहां पर शानदार आतिशबाजी की गई।

रस्सा-कसी में छात्राओं ने मारी बाजी

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एनएसएस यूनिट द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। प्रतियोगिताओं में रस्सा-कस्सी और वॉलीबॉल के मैच कराए गए, जिनमें छात्र-छात्राओं ने टीम भावना और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में लड़कियों की श्रेणी में बीएएमएस सत्र 2024-25 की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी, जबकि पुरुष वर्ग में बीएएमएस सत्र 2023-24 के छात्रों ने जीत हासिल की। वहीं, वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बीएएमएस सत्र 2022-23 के छात्र विजयी रहे। इससे पहले आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य आशीष मेहता ने टॉस उछालकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने छात्रों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज के दौर में युवा वर्ग का मोबाइल और सोशल मीडिया की ओर अत्यधिक झुकाव चिंता का विषय है। एनएसएस के नोडल अधिकारी प्रो. पीसी मंगल, डॉ. सुरेंद्र सिंह सहरावत समेत अन्य शिक्षकों ने विजेता और प्रतिभागी टीमों को प्रोत्साहित किया।

भगवान परशु राम कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

कुरुक्षेत्र। 29 व 30 अगस्त 2025 को भगवान परशु राम कॉलेज के खेल परिसर में मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। 29 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद जी के जीवन वृतांत से संबंधित वीडियो दिखाकर किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य की उपस्थिति में विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं खेलों के प्रति जागरूक रहेंगे और समाज में भी जागरूकता फैलाएँगे। इस अवसर पर डॉ. सौरभ त्रिखा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी ने ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर अनेक स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने यह भी बताया कि जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने मेजर ध्यानचंद जी की हॉकी को चेक करवाया और उन्हें अपनी सेना में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी को ह्यहॉकी का जादूगरह्न कहा जाता है और उनका खेल कौशल आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी निष्ठा और अनुशासन हर खिलाड़ी के लिए आदर्श हैं। डॉ. दिलबाग सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों में समर्पण और अनुशासन के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश पाराशर, डॉ. अनिल कौशिक, डॉ. सचेत, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. धीरज शर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अभियान 25 नवंबर तक चलेगा राज्यव्यापी स्वच्छता महाअभियान

सड़कों, ड्रेनों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव, चौकों का सौंदर्यीकरण की व्यवस्था की जाएगी

स्वच्छ कुरुक्षेत्र अभियान के तहत शहर को मिलेगा स्वच्छ और सुंदर रूप : सुभाष सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान, स्वच्छ कुरुक्षेत्र अभियान के तहत शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरंभ किया है। यह विशेष अभियान आगामी 25 नवंबर 2025 तक पूरे शहर में चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य शहर में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना, कूड़ा-कर्कट प्रबंधन को सुदृढ़ करना, प्लास्टिक के उपयोग को कम करना तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

खाली भूखंडों को साफ किया जाएगा

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि इस अभियान के तहत सरकारी, निजी कार्यालयों, पर्यटन व धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की जा रही है। साथ ही, सडकों, ड्रेनों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव, चौकों का सौंदर्यीकरण और सडकों पर उपयुक्त साइनेज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने के साथ-साथ सी एंड डी अपशिष्ट डंपिंग पॉइंट, खुले क्षेत्रों और खाली भूखंडों को साफ किया जाएगा।

ये कार्य किए जाएंगे

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत शहरों को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लिए बेसहारा पशुओं को पकडकर गोशाला/नंदीशाला में स्थानांतरित किया जाएगा। सामुदायिक शौचालयों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, नवरात्रि, दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के अवसर पर नगर निकाय विशेष अभियान चलाकर जनभागीदारी के साथ सडकों, बाजारों और पार्कों की साफ-सफाई करवाई जाएगी। इसका उद्देश्य त्योहारों की रौनक को बढ़ाना है, बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करना है।

समाज में सेवा की भावना को जन आंदोलन के रूप में बढ़ाना है आगे : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजित किया जाएगा। इस पाक्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना और विकासात्मक पहलों को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा सामूहिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करना है। प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राष्ट्रसेवा के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्पण का जश्न मनाना है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की सक्रिय भागीदारी के साथ जिले में प्लास्टिक मुक्त अभियान और व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित करेगा। युवाओं में उद्यमिता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

उपायुक्त

शिवधाम गौरी ताल मंदिर के प्रांगण में धार्मिक उत्सव होगा

भगवान वामन द्वादशी पर लगेगा मेला, ध्वजारोहण से होगी शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

शिवधाम गौरी ताल मंदिर के प्रांगण में भगवान वामन द्वादशी पर आयोजित होने वाला दो दिवसीय मेला 3 सितंबर से 4 सितंबर तक आयोजित होगा। इसमें मंदिर कमेटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 3 सितंबर को सुबह मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण होगा। जिसे अनुज स्यान द्वारा कराया जाएगा। इसके बाद पालकी पूजन राजन गुप्ता द्वारा होगा। मेले का शुभारंभ सरपंच प्रवीन कुमार द्वारा किया जाएगा। दोपहर को शिव धाम गौरी ताल मंदिर से भगवान वामन की पालकी सहित शोभायात्रा का बैंड बाजों के साथ शुभारंभ होगा। इसका शुभारंभ नरेंद्र बिलमा और ब्लॉक समिति चेयरमैन रविशेर द्वारा झंडी दिखाकर किया जाएगा। शोभायात्रा के दौरान निकलने वाली झांकियां आकर्षण का केंद्र रहती हैं। 4 सितंबर की शाम को मंदिर प्रांगण में मेला आयोजित किया जाएगा।

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे

मेले की रात को मंदिर प्रांगण में होने वाली आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी

निर्मोही म्यूजिकल ग्रुप मुलाना देगा प्रस्तुति

भगवान वामन द्वादशी पर आयोजित होने वाला दो दिवसीय मेले में बतौर मुख्यातिथि पूर्व विधायक संतोष चौहान सारवान और वशिष्ठ अतिथि के रूप में भाजपा महिला प्रदेश कार्यकारी सदस्य मोनिका कालड़ा, पूर्व सरपंच नरेश चौहान, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव कर्मचंद गुज्जर शिरकत करेंगे। भजन संध्या का शुभारंभ सुमेर चंद धीमान द्वारा किया जाएगा। मेले के दौरान भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें निर्मोही म्यूजिकल ग्रुप मुलाना द्वारा श्रद्धालुओं को भजनों से मंत्रमुग्ध किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

केवल मुलाना में ही यह मेला आयोजित किया जाता है

अंबाला शहर के बाद केवल मुलाना में यह मेला आयोजित किया जाता है। मेले के दौरान सैंकड़ों श्रद्धालु मेला देखने पंहुचते हैं। मेले की रात को मंदिर प्रांगण में होने वाली आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

खबर संक्षेप

अंबाला। क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र।

क्विज स्पर्धा में बीएससी की छात्रा प्रतिष्ठा अव्वल,

अंबाला। अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज (लाहौर), में टेलेंट शो के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज के संयोजक और डीन कल्चरल अफेयर्स प्रोफेसर शिवानी डावर ने बताया कि क्विज की शुरुआत लिखित राउंड से हुई जिसे कुल 11 विद्यार्थियों ने अगले चरण के लिए उत्तीर्ण किया। 4 और राउंड खेले गए जिसमें से बीएससी की छात्रा प्रतिष्ठा ने प्रथम, बीकॉम के छात्र रोहित ने द्वितीय और बीए के छात्र अजय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रो. राजीव महाजन ने विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए।

उम्मीद फाउंडेशन सेंटर के संचालक पर केस

साहा। साहा में पकड़े गए अवैध उम्मीद फाउंडेशन सेंटर संचालक अवतार पर साहा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. मुकेश की शिकायत पर हुई। आरोपी अवतार सिंह पर साहा थाना पुलिस ने आपराधिक षड्यंत्र की धारा 61 व धोखाधड़ी की धारा 318(2) व मेंटल हेल्थकेयर एक्ट 2017 के तहत कार्रवाई की। उधर, इस सेंटर से 31 युवकों का पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया था। इसमें से 27 युवकों को परिजनों को सौंप दिया था। बाकी चार कैंट के नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन है।

मौसम की मार : कई कॉलोनियों के घरों में अभी भी कई फुट पानी भरा

शांत हुई टांगरी नदी, कॉलोनियों से उतरने लगा पानी, अब घर लौटने लगे परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

बरसाती सीजन में हर साल टांगरी नदी पहाड़ों में होने वाली बरसात की वजह से उफान पर आती है। इसी वजह से नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

टांगरी नदी में आया उफान शनिवार को शांत दिखा। नदी किनारे बसी कॉलोनियों में भी अब पानी उतर रहा है। हालांकि पानी उतरने के साथ ही लोगों के सामने गंदगी व कीचड़ की समस्या खड़ी हो गई। अभी तक ज्यादातर घरों में पानी भरा हुआ है। पानी उतरने के साथ ही कुछ परिवार वापिस लौटने लगे हैं। हालांकि ज्यादातर परिवार नदी में फिर उफान आने के डर से अभी खुले आसमान के नीचे सड़कों पर ही डेरा डाले हुए हैं। काफी परिवारों ने घर की छतों पर ही आश्रय लिया हुआ है।

टांगरी नदी में अचानक आए उफान के बाद शुक्रवार रात को घर खाली करने के बाद कई परिवार खुले आसमान के नीचे सड़कों पर रात गुजारनी पड़ी। महिलाओं और बच्चों को इस स्थिति से ज्यादा मुश्किलें झेलनी पड़ी। प्रशासन की ओर से इन परिवारों के लिए किसी तरह की व्यवस्था नहीं की गई थी।प्रशासन का दावा है कि समय पर अलर्ट जारी कर दिया था जिसकी वजह से लोग सुरक्षित निकल गए थे।शनिवार शाम तक लोग सड़कों पर गद्दे, बिस्तर और चूल्हे लगाकर बैठे हैं। उनका आरोप है कि पहली रात को उनकी मुश्किलों से कटी। दूसरी रात भी उन्हें डर के साए में खुले आसमान के नीचे काटनी पड़ेगी। उनका आरोप है कि प्रशासन की ओर से दूसरे दिन भी उनके लिए किसी तरह की बंदोबस्त नहीं किया है।

अंबाला। कई घरों में जाम पानी का दृश्य।

लोग बोले प्रशासन ने नहीं की कोई मदद, खुले आसमान के नीचे डर के साए में काटनी पड़ी रात

लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित

बाढ़ से प्रभावित सोमनाथ ने बताया कि टांगरी में बढ़े जलस्तर से उनका जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने तो सिर्फ यहां से निकलने के लिए कह दिया था। जबकि उनके रहने व खाने की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई थी। सोमनाथ ने बताया कि परिवार के साथ ही उन्हें सड़क किनारे ही चूल्हा लगाकर खाना बनाना पड़ा।

हालांकि कई सामाजिक संस्थाओं ने लोगों के लिए खाने पीने की चीजों का बंदोबस्त किया। बाकायदा संस्थाओं की ओर से इन परिवारों को लंगर भी बरताया गया। साथ ही पीने के पानी की बोतलें भी उपलब्ध करवाई गई।

नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति

बरसाती सीजन में हर साल टांगरी नदी पहाड़ों में होने वाली बरसात की वजह से उफान पर आती है। इसी वजह से नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। सालों से आ रही इस समस्या का अभी तक प्रशासन कोई ठोस समाधान नहीं कर पाया है। शुक्रवार को भी ऐसा हुआ था।

अचानक नदी में 40 हजार क्यूसिक पानी आने से 20 से ज्यादा कॉलोनियों में बाढ़ के हालात बन गए थे।आनन फानन में प्रशासन की ओर से सभी कॉलोनियों में मुनियादी करवाकर लोगों को तुरंत अपने घर खाली करने के आदेश दिए थे। डर के मारे ज्यादातर परिवार घर खाली कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। शनिवार सुबह नदी से सटे इलाकों में पानी उतरने के साथ ही लोग भी अपने घरों को लौटते दिखे। ज्यादातर परिवारों का कहना है कि घर लौटने के सिवाय उनके पास कोई चारा नहीं है। प्रशासन की ओर से उनके लिए वैसे भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। खुले आसमान की बजाय घर की छत पर ही वे रात बिताएंगे। हालांकि बच्चों के साथ उन्हें अब भी नदी में बाढ़ आने का डर सता रहा है।

बैडमिंटन स्पर्धा में ऋषब गुलाटी ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

डीएवी कॉलेज में खेल दिवस पर आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में डीएवी कॉलेज में धूमधाम से खेल दिवस मनाया गया। इस दौरान नॉन टीचिंग स्टाफ व स्टूडेंट्स के लिये बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लड़कियों में लड़कों में ऋषब गुलाटी प्रथम रोहित कुमार द्वितीय व मनजोत ने तृतीय स्थान हासिल किया। लड़कियों में ईशा,जसप्रीत व रितु ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। साहिल , राम चरण व खुशहाल चंद ने नॉन टीचिंग वर्ग में बैडमिंटन में विभिन्न स्थान प्राप्त किए। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रिंसिपल राजीव महाजन ने मेजर ध्यान चंद के जीवन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। विभाग अध्यक्ष डॉ. राजीव राणा ने भी खेल दिवस के बारे में बताया। प्रो. मनीष कुमार प्रो. अनिल कुमार प्रो. मनीष ने प्रतियोगिता का संचालन सफलतापूर्वक किया। इस दौरान वाईस प्रिंसिपल डॉ. परमार ,प्रो. क्यूट खरबंदा, प्रो. राजीव कुमार, डॉ. गगनदीप कौर, अश्वनी कुमार , राजकुमार, विजेंद्र , रविंद्र , अंग्रेज सिंह, प्रतीक, जसमेर सैनी मौजूद रहे। विजेताओं को को प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल ने सम्मानित किया।

उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग व सेल बढ़ाने में डिजिटल मार्केटिंग अहम

■ अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में सेमिनार

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की तरफ डिजिटल मार्केटिंग पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में ब्रांड पैलेट की संस्थापक मधुरा येल ने छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग के लाभ व इसे करने की बारीकियों से अवगत करवाया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. देसराज बाजवा ने इस आयोजन के लिए आईआईसी कन्वीनर शुगन आहूजा व सेमिनार कॉआर्डिनेटर डॉ. बलजिंदर कौर व उनकी टीम को बधाई दी। मुख्य वक्ता मधुरा येल ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग किसी उत्पाद की ब्रांड बिल्डिंग व सेल बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। डिजिटल मार्केटिंग के लिए हमें डिजिटल वर्ल्ड व तकनीक की समझ होनी चाहिए। इस मौके पर छात्रों ने अपने सवालों के माध्यम से डिजिटल मार्केटिंग के बारे में अपनी जिज्ञासा शांत की। कार्यक्रम में डॉ. तंजुम कंबोज ने मंच संचालन किया।

पुटा को शिक्षक समुदाय की सच्ची प्रतिनिधि बनाएंगे : डॉ. परवीन

■ हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर के मौखिक आश्वासन पर नपा अधिकारी बैरंग लौटे

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (पुटा) के चुनाव में गिव चेंज अ चांस की टैगलाइन के तहत टीम बैटिंग फॉर चेंज ने आज स्टूडेंट सेंटर में अपना घोषणा पत्र जारी किया।

घोषणापत्र में किए गए वादों के बारे में प्रेस वार्ता में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार डॉ. परवीन गोयल ने बताया कि जीतने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करवाने और यूजीसी मानकों के अनुसार 70 वर्ष तक पुनर्नियुक्ति की मांग पूरी करवाएंगे।

यह किए वादे: पंजाब सरकार की अधिसूचनाओं के अनुरूप पुरानी पेंशन योजना की बहाली, डेंटल फैकल्टी के वेतनमान में संशोधन और यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार वरिष्ठ प्रोफेसर के पदोन्नति का समय पर कार्यान्वयन करवाने, मातृत्व/बाल देखभाल अवकाश में बढ़ोतरी, पीएचडी इंक्रीमेंट की बहाली और नए नियुक्त फैकल्टी के लिए शोध हेतु सीड ग्रांट जारी करवाने, कैशलेस सुविधा के साथ अस्पतालों का पैनल तैयार करना और कैंपस में अधोसंरचना सुधार करवाने की दिशा में कदम उठाने के वादे भी किए।

पीयूटीए चुनाव त्रिकोणीय

उल्लेखनीय है कि टीम बैटिंग फॉर चेंज की तरफ से अध्यक्ष पद के लिए यूआईईटी से डॉ. परवीन गोयल, उपाध्यक्ष पद के लिए बायोफिजिक्स विभाग से डॉ. सर्वनरिंदर कौर, सचिव पद के लिए एसी जोशी लाइब्रेरी से डॉ. सुमन सुमी, संयुक्त सचिव पद के लिए फॉरेंसिक साइंसेज से प्रो. विशाल शर्मा और कोषाध्यक्ष पद के लिए डेंटल इंस्टीट्यूट से डॉ. सोनिया बी. भारद्वाज को उम्मीदवार बनाया गया है। इस वर्ष पीयूटीए चुनाव त्रिकोणीय है, जिसमें प्रत्येक पद के लिए तीन उम्मीदवार हैं।

नशे के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति

■ कलालटी पुलिस चौकी के नए प्रभारी सब इंस्पेक्टर जगदीप सिंह ने संभाला चार्ज

मुलाना। कलालटी चौकी का प्रभार सब-इंस्पेक्टर जगदीप सिंह ने संभाल लिया है। शनिवार को उन्होंने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले वे मुलाना थाने में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। वह अनुशासित कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही उन्होंने क्षेत्र के ग्राम सरपंचों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर साफ कर दिया कि नशे के खिलाफ कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। यह युवाओं की शक्ति को खोखला कर रहा है और परिवारों को बर्बादी की ओर धकेल रहा है। उन्होंने ग्राम सरपंचों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों में लोगों को जागरूक करें और पुलिस का साथ दें।। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी चौकी हर समय जनता की सेवा में तत्पर रहेगी।

एसडीएम ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

▶▶ धनाना की पीएचसी में न पर्याप्त स्टाफ न ही चिकित्सक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

एसडीएम शिवजीत भारती ने गांव धनाना में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। एसडीएम ने विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कई शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। एसडीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए रात्रि ठहराव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यही है कि प्रशासनिक अधिकारी गांव में जाकर ग्रामीणों से सीधे संपर्क करें, उनकी वास्तविक समस्याओं को जानें और उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास बढ़ता है तथा सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच पाता है।

सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने अभिनंदन किया

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने गांव के सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों का फूलों के गुलदस्ते व स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया। गांव की प्रमुख समस्याओं एवं विकास संबंधी मांगें रखीं। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और विकासात्मक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। ग्रामीणों को विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। ग्रामीणों ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें अपनी समस्याएं सीधे जिला के विभिन्न अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिला है। सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने एसडीएम के सामने समस्या रखते हुए बताया कि गांव में पीएचसी बनी है जिसमें स्टाफ व डॉक्टर की कमी है।

साइबर ठगी के मामले में तीन काबू

अंबाला। थाना साइबर क्राइम पुलिस लगातार साइबर ठगों को काबू कर जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है। इसी कड़ी में साइबर पुलिस ने पार्ट टाइम ऑनलाइन पैसे कमाने के नाम पर साइबर ठगी करने के मामले में आरोपी समीर व अरूण को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को चार दिन के रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान आरोपियों ने बताया कि यूपी का प्रेम चंद भी मामले में संलिप्त है। पुलिस ने प्रेम चंद को भी गिरफ्तार किया है। सह उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ति महिला ने 7 जून 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि कबीर नगर में आरोपी ने वर्क फ्रॉम होम पार्ट टाइम जॉब से पैसे कमाने के नाम पर उससे 19 लाख 64 हजार रूपये की रकम धोखाधड़ी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सभी सदस्यों के बीच समाज सेवा की भावना को बढ़ाने पर जोर रहेगा

रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के प्रधान बने राजीव मल्होत्रा, सेवा के लिए क्लब को मिले आठ इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रोटरी क्लब अंबाला डायमंड की नई टीम का शपथग्रहण समारोह संपन्न हो गया। इस वर्ष के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी मोहिंदर पाल गुप्ता रहे। जबकि असिस्टेंट गवर्नर शैलेश दीवान ने सह अतिथि की भूमिका निभाई। पूरा पंडाल उस समय करतल ध्वनि से गूंज उठा जब मुख्य अतिथि मोहिंदर पाल गुप्ता,शैलेश दीवान,पूर्व प्रधान रजनीश गर्ग क्लब एडवाइजर रोहित गुप्ता,उप प्रधान अमित सिंगला ने नए प्रधान राजीव मल्होत्रा के गले में रोटरी का कॉलर पहनाया। पूर्व प्रधान रजनीश गर्ग ने क्लब द्वारा पिछले वर्ष मे किए गए समाज सेवा के कार्यों के 3 रक्त दान शिविर, 2 मेमोग्राफी टेस्ट कैंप, बच्चों को पानी का कूलर, कॉपी, पेन, पेंसिल वितरण के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 मे किए गए कार्यों के लिए क्लब को कुल 8 इनामों से नवाजा गया है। क्लब के नए सचिव राजन गर्ग ने बताया कि क्लब रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के द्वारा समय समय पर सभी 110 क्लबों को दिए जाने वाले कार्यों मे बढ़ चढ़कर भाग लेगा। क्लब के कैशियर डॉ. अश्वनी भारद्वाज ने बताया कि इस वर्ष क्लब मे सभी सदस्यों के बीच समाज सेवा की भावना को बढ़ाने पर जोर रहेगा। इसमें सभी का सहयोग रहेगा।

अंबाला। रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के नए प्रधान राजीव मल्होत्रा को पदभार ग्रहण करवाते पदाधिकारी।

महिला टीचर्स सम्मानित

क्लब के सबसे सीनियर सदस्य जेजे सिंह,आनंद मुटेरिजा और राकेश भंडारी ने उपस्थित सभी अतिथियों नवीन गुप्ता, राजेश बत्रा,राजीव अनेजा, डॉ. जोगिंदर मनमोहन मैनी, विजय मल्होत्रा, अश्वनी साहनी इत्यादि का स्वागत किया। क्लब एडवाइजर सीए रोहित गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर सभी सदस्य महिला टीचर्स को सम्मानित किया गया। क्लब के तीनों डॉक्टर सदस्यों डॉ. नरेश जिंदल, डॉ. मुकेश भगत और डॉ. परवीन गुप्ता को क्लब मे सभी सामाजिक कार्यों मे हर समय सहयोग के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। क्लब मे तीन नए सदस्य विनीत मालिक, गौरव मेहता और प्रिंस छाबड़ा का परिचय करवाया। सदस्य अजिंद्र पाल ने सभी उपस्थित क्लब सदस्यों परविंदर भाटिया, सचिन गोयल,देव दत्त शर्मा, कंवल दीप सिंह,संदीप गुप्ता, रिपन शर्मा,ललित अरोड़ा, महेश मित्तल का कार्यक्रम में शामिल होने को धन्यवाद किया।

रेहड़ी चालक से कैश छीनकर भागे दो स्नैचर, क्राइम ब्रांच ने 24 घंटे के अंदर दबोचा

■ सीसीटीवी की मदद से हुई आरोपियों की पहचान

पंचकूला। पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के दिशा-निर्देश और डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच-19 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेहड़ी चालक से 10 हजार रुपये छीनने की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने दो शातिर स्नैचरों को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। एसीपी क्राइम ने जानकारी दी कि पीड़ित कन्हैया लाल पुत्र कीड़ा राम, मूल निवासी जिला सीतापुर उप्र, हाल निवासी गांव हरीपुर, सेक्टर-4 पंचकूला, किराना स्टोर में रेहड़ी से सामान ढोने का कार्य करता है। पीड़ित ने 28 अगस्त शिकायत दर्ज कराई कि जब वह सेक्टर-4 पंचकूला के पास किसी काम से वापस लौट रहा था, तो बाइक सवार दो अज्ञात युवक उसके पास आए और उससे पूछा कि "क्या तुम्हारे पास गांजा है, हमें दिखाओ। जैसे ही उसने जेब से पैसे निकालकर दिखाने की कोशिश की, दोनों ने उसके हाथ से 10 हजार छीन लिए।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

विचारणीय
अलका सोनी

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

कहानी / संजीव ठाकुर

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क'

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्य: लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकाव: सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राह: सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिट: यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्स: यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोन: ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंट: हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिक: आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड में: अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्स: आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत
डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूर: सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खान: 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चन: फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुख: 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्त: मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त